



## प्रस्तावति डजिटिल रुपया

### प्रलमिस के लयि:

भारतीय रज़िर्व बैंक (RBI), ई-रुपया, सेंटरल बैंक डजिटिल करेंसी (CBDC), वरचुअल करेंसी, डजिटिल पेमेंट ।

### मेन्स के लयि:

ई-रुपया और आभासी मुद्राओं का महत्त्व ।

## चर्चा में क्यों?

**भारतीय रज़िर्व बैंक (RBI)** जलद ही वशिष्ट उपयोग के लयि ई-रुपए, या **सेंटरल बैंक डजिटिल करेंसी (CBDC)** या **डजिटिल रुपए** को व्यापक रुप से शुरु करेगा ।

- इसने खुदरा और थोक के रुप में वभिन्न लेन-देन के लयि ई-रुपए के उपयोग की दो व्यापक श्रेणियों का संकेत दया है ।

## ई-रुपया

- परभाषा:** RBI, CBDC को केंद्रीय बैंक द्वारा जारी कयि गए मुद्रा के डजिटिल संस्करण के रूप में परभाषति करता है । देश की मौद्रकि नीति के अनुसार यह केंद्रीय बैंक (इस मामले में, आरबीआई) द्वारा जारी एक संप्रभु या पूरी तरह से स्वतंत्र मुद्रा है ।
- लीगल टेंडर:** एक बार आधिकारिक रूप से जारी होने के बाद **CBDC को तीनों पक्षों - नागरिक, सरकारी नकियाँ और उद्यमों द्वारा भुगतान का माध्यम एवं लीगल टेंडर माना जाएगा** । सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त होने के कारण इसे कसी भी वाणज्यिक बैंक की मुद्रा या नोटों में स्वतंत्र रूप से परिवर्तति कयि जा सकता है ।
  - RBI ई-रुपए पर ब्याज के पक्ष में नहीं है क्योंकि लोग बैंकों से पैसे निकालकर इसे डजिटिल रुपए में बदल सकते हैं, जसिसे बैंक वफिल हो सकते हैं ।
- क्रपिटोकुरेंसी से भनिता:** **क्रपिटोकुरेंसी (डसिटरबियुटेड लेजर)** की अंतरनहिति तकनीक डजिटिल रुपया प्रणाली के कुछ आयामों को कम कर सकती है, लेकिन आरबीआई ने अभी तक इस पर फ़ैसला नहीं कयि है । हालाँकि **बिटिकॉइन या एथेरयिम जैसी क्रपिटोकुरेंसी प्रकृति में 'नजि' हैं** । दूसरी ओर, डजिटिल रुपए को आरबीआई द्वारा जारी और नियंत्रति कयि जाएगा ।
- वैश्वकि परदृश्य:** जुलाई 2022 तक करीब 105 देश CBDC पर वचार कर रहे थे । दस देशों ने CBDC की शुरुआत कर दी है जनिमें सबसे पहला है वर्ष 2020 में बहामयिन सैंड डॉलर तथा सबसे नवीनतम है जमैका का JAM-DEX ।

## CBDC के लयि RBI की योजना:

- CBDC के प्रकार:** डजिटिल रुपए के उपयोग और कार्यों के आधार तथा उसकी पहुँच के वभिन्न स्तरों को ध्यान में रखते हुए CBDC को दो व्यापक श्रेणियों में बाँटा जा सकता है- सामान्य उद्देश्य वाला (खुदरा) (CBDC-R) और थोक (CBDC-W) ।
  - खुदरा CBDC नकदी का एक इलेक्ट्रॉनिक संस्करण है जो मुख्य रूप से खुदरा लेन-देन हेतु है** । इसका उपयोग सभी द्वारा कयि जाएगा यथा-नजि क्षेत्र, गैर-वत्तितीय उपभोक्ता और व्यवसाय । हालाँकि **RBI ने यह नहीं बताया है कि खुदरा व्यापार में मरचेंट ट्रांजैक्शंस में ई-रुपए का इस्तेमाल कैसे कयि जा सकता है** ।
  - थोक CBDC को चुनदि वत्तितीय संस्थानों तक सीमति पहुँच के लयि** डजिाइन कयि गया है । इसमें बैंकों द्वारा कयि गए वत्तितीय लेन-देन के लयि नपिटान प्रणालियों को सरकारी प्रतभूतियों (ज) सेगमेंट, अंतर-बैंक बाज़ार और पूंजी बाज़ार में परचालन लागत, संपारश्वकि के उपयोग एवं तरलता प्रबंधन के संदर्भ में अधिक कुशलतापूर्वक तथा सुरक्षति रूप से बदलने की क्षमता है ।
- ढाँचा:**
  - टोकन पर आधारति CBDC बैंक नोटों के समान लेन-देन एक साधन होगा;** टोकन प्राप्त करने वाले को टोकन के अपने स्वामतित्व की वैधता को प्रमाणति करना होगा । चूँकि यह वास्तवकि धन के समान होगा, टोकन-आधारति CBDC को पसंदीदा CBDC-खुदरा मोड के रूप में देखा जाएगा ।

- कसिी भी खाता-आधारति प्रणाली के लयिे CBDC के सभी धारकों के शेष और लेन-देन के रकिर्रड के रखरखाव की आवश्यकता होगी तथा मौद्रकि शेष राशकि के स्वामतित्व को इंगति करना होगा । इस संदर्भ में एक मध्यस्थ एक खाताधारक की पहचान को सत्यापति करेगा । CBDC-थोक हेतु इस प्रणाली पर वचिर कयिा जा सकता है ।
- ऑनलाइन और ऑफलाइन मोड में उपलब्ध: एक वकिल्प के रूप में ऑफलाइन कार्यक्षमता CBDC को इंटरनेट के बनिा लेन-देन करने की अनुमति देगी और इस प्रकार खराब या बनिा इंटरनेट कनेक्टविटी वाले कषेत्रों में पहुँच को सकषम करेगी ।
  - यह वत्तितीय प्रणाली से असंबद्ध आबादी के लयिे डजिटिल पदचहिन साबति होगा , जसिसे उन्हें ःण की आसान उपलब्धता की सुवधि प्रापूत होगी ।
  - हालाँकि RBI को लगता है किऑफलाइन मोड में 'दोहरे खर्च' का जोखमि रहेगा क्योककि CBDC के सामान्य खाता बही को अपडेट कयिा बनिा CBDC इकाई का एक से अधिक बार उपयोग करना तकनीकी रूप से संभव होगा ।
- जारी करने के लयिे मॉडल:
  - प्रत्यक्ष मॉडल में केंद्रीय बैंक डजिटिल रुपया प्रणाली के सभी पहलुओं जैसे जारी करने, खाता रखने और लेन-देन सत्यापन के प्रबंधन के लयिे ज़मिमेदार होगा ।
  - अप्रत्यक्ष मॉडल वह होगा जहाँ केंद्रीय बैंक और अन्य मध्यस्थ (बैंक तथा कोई अन्य सेवा प्रदाता), सभी अपनी-अपनी भूमकिा नभिते हैं । केंद्रीय बैंक अप्रत्यक्ष रूप से बचौलयिों के माध्यम से उपभोक्ताओं को CBDC जारी करेगा और उपभोक्ताओं के कसिी भी दावे का प्रबंधन मध्यस्थ द्वारा कयिा जाएगा ।

## ई-रुपे के फायदे:

- भौतिक नकद प्रबंधन में शामिल परचालन लागत में कमी, वत्तितीय समावेशन को बढ़ावा देना, भुगतान प्रणाली में लचीलापन, दक्षता और नवीनता लाना ।
- जनता को ऐसी सुवधि प्रदान करता है जो कोई भी नजिी आभासी मुद्राएँ संबद्ध जोखमिों के बनिा प्रदान कर सकती है ।

## भारत में CBDC से संबंधति मुद्दे:

- साइबर सुरक्षा: CBDC पारसिथतिकी तंत्र को साइबर हमलों जैसे जोखमि हो सकते हैं जो वर्तमान भुगतान प्रणाली में पहले से मौजूद हैं ।
- गोपनीयता का मुद्दा: CBDC से वास्तवकि समय में डेटा के वशाल मात्रा के उत्पन्न होने की उम्मीद है । डेटा की गोपनीयता इसकी अनामकिता से संबंधति चतिाएँ और इसका प्रभावी उपयोग एक चुनौती होगी ।
- डजिटिल अंतराल और वत्तितीय नरिक्षरता: [राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण \(National Family Health Survey-NFHS\)-5](#) ग्रामीण-शहरी वभिाजन के आधार पर डेटा पृथक्करण की सुवधि भी प्रदान करता है । केवल 48.7% ग्रामीण पुरुषों और 24.6% ग्रामीण महिलाओं ने कभी इंटरनेट का उपयोग कयिा है । इसलयिे CBDC डजिटिल डविाइड के साथ-साथ वत्तितीय समावेशन में लगी आधारति बाधाओं को बढ़ा सकता है ।

## आगे की राह

- उन अंतरनहिति तकनीकों पर नरिणय लेने के लयिे तकनीकी स्पष्टता सुनश्चिति की जानी चाहयिे जनि पर सुरक्षा और स्थरिता के लयिे भरोसा कयिा जा सकता है ।
- CBDC को एक सफल पहल और आंदोलन बनाने के लयिे RBI को व्यापक आधार हेतु ग्रामीण कषेत्रों में अपनी स्वीकृतिबढ़ाने के लयिे मांग पक्ष के बुनयिादी ढाँचे तथा ज्ञान के अंतराल को दूर करना चाहयिे ।
- RBI को वभिनिन मुद्दों, डजिाइन के वचिरों और डजिटिल मुद्रा की शुरुआत के नकिट प्रभावों को ध्यान में रखते हुए सावधानी से आगे बढ़ना चाहयिे ।

## [स्रोत: इंडयिन एक्सप्रेस](#)